

१२

अचल सम्पत्ति प्रतिवेदन वर्ष २०२५

अधिकारी/ कर्मचारी का पूरा नाम लकड़ीप /लकड़ीप पद संदर्भ अचल सम्पत्ति प्रतिवेदन वर्ष २०२५-३

वर्तमान वेतन रुपये २९५०० =००

वर्तमान वेतन रुपये २९५०० =००

| सं. क्र. | उस जिले उपराजग तारुका तथा अन्य सम्पत्ति खित हो। सम्पत्ति का नाम जिसमें उस जिले उपराजग तारुका तथा अन्य सम्पत्ति का नाम जिसमें उस जिले उपराजग तारुका तथा अन्य सम्पत्ति का नाम जिसमें | योग्यता अन्य भवन | शुभि | योग्यता अन्य भवन |
|-------------|--|---------------------|-------------------------------|-----------------------|-----------------------|-----------------------|-----------------------|-----------------------|-----------------------|
| | | | | | | | | | |
| १ | लकड़ीप | १ मालाने | — | २५ लल्ला (लल्लाना) | ठाठना के रा पट | २५ लल्ला (लल्लाना) | ठाठना के रा पट | २५ लल्ला (लल्लाना) | २५ लल्ला (लल्लाना) |
| २. | लकड़ीपाना (लकड़ीपाना) | — | कुकुर शुभि ६.६३ हृष्टवर | ५५ लल्ला (लल्लाना) | २५ लल्ला (लल्लाना) |

कार्यक्रम कार्यालय/स्था./२०१६

ग्रालियर दिनांक

- जो लागू न हो काट दीजिये।
- ऐसे मामले में जाहां मूल्य का सही-सही निर्धारण करना सम्भव न हो वहां वर्तमान स्थिति के सदर्न में लागभग मूल्य बतलाया जाये।
- इसमें अन्य कालीन पटटे भी सम्मिलित हैं।

टिप्पणी :- म.प्र. शासकीय सेवक (आचरण) नियम 1959 के नियम 18(3) के अधीन प्रथम, हितीय तथा तृतीय श्रेणी के प्रत्येक सदस्य से यह अधिकत है कि सेवा में पहली नियुक्ति के समय और उसके बाद प्रत्येक बारह महिने की अवधि के पश्चात यह घोषणा पत्र भरकर प्रस्तुत करें और उसमें यह उसके स्वामित्व की तथा उसके हारा अर्जित अध्यवा उसके विरासत में निली या उसके अपने-नाम पर या उसके परिवार के नाम पर या किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर पटटे या बन्धक पर उसके द्वारा घासित समस्त अचल सम्पत्ति के ब्यारे देवे।

कर्मचारी का नाम एवं हस्ताक्षर



मा.प्र. शासकीय सेवक (आचरण) नियम १९५९ के अधीन प्रथम, हितीय तथा तृतीय श्रेणी के प्रत्येक सदस्य से यह अधिकत है कि सेवा में पहली नियुक्ति के समय और उसके बाद प्रत्येक बारह महिने की अवधि के पश्चात यह घोषणा पत्र भरकर प्रस्तुत करें और उसमें यह उसके स्वामित्व की तथा उसके हारा अर्जित अध्यवा उसके विरासत में निली या उसके अपने-नाम पर या उसके परिवार के नाम पर या किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर पटटे या बन्धक पर उसके द्वारा घासित समस्त अचल सम्पत्ति के ब्यारे देवे।
 अधिकारी का नाम एवं हस्ताक्षर

 मा.प्र. शासकीय सेवक (आचरण) नियम १९५९ के अधीन प्रथम, हितीय तथा तृतीय श्रेणी के प्रत्येक सदस्य से यह अधिकत है कि सेवा में पहली नियुक्ति के समय और उसके बाद प्रत्येक बारह महिने की अवधि के पश्चात यह घोषणा पत्र भरकर प्रस्तुत करें और उसमें यह उसके स्वामित्व की तथा उसके हारा अर्जित अध्यवा उसके विरासत में निली या उसके अपने-नाम पर या उसके परिवार के नाम पर या किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर पटटे या बन्धक पर उसके द्वारा घासित समस्त अचल सम्पत्ति के ब्यारे देवे।